RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 3 MAY TO 9 MAY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 32 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

विश्व का पहला नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक राष्ट्र को समर्पित Page 2

ईपीएफओ ने बढ़ाई हायर पेंशन का विकल्प चुनने की डेट Page 4

डॉलर के दबदबे को मिल रही चुनौती, डॉलर और चैलेंजर के बीच क्या करे भारत? Page 5

editoria!

विनिर्माण में वृद्धि

तमाम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था संतोषजनक रफ्तार से बढ़ रही है. बीते अप्रैल में मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 57.2 हो गया, जो मार्च में 56.4 रहा था. इस साल यानी पिछले चार माह का यह उच्चतम स्तर है. इस बढ़त की मुख्य वजहें नये कारोबारों में ठोस बढ़ोतरी, मूल्य दबाव मेंनरमी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिक्री में बेहतरी और आपूर्ति श्रृंखला की स्थितियों में सुधार हैं..यह बेहतरी महज चार माह तक सीमित नहीं है. उल्लेखनीय है कि मार्च में इस इंडेक्स के जो आंकड़े आये थे, वे इंगित कर रहे थे कि लगातार 22 महीनों से औद्योगिक संचालन की स्थितियों में कुल मिलाकर बेहतर रुझान हैं. अप्रैल में वस्तुओं के नये ऑर्डर में मजबूत बढ़त से यह भी उम्मीद बढ़ी है कि उत्पादन गतिविधियों में आगे भी वृद्धि होती रहेगी. मुद्रास्फीति में राहत से लागत के खर्च का दबाव घटा है, तो मांग पर भी सकारात्मक असर पड़ा है..निर्यात बढ़ाने की कोशिशों के उत्साहजनक नतीजे भी सामने आने लगे हैं. बीते वित्त वर्ष में निर्यात के 750 अरब डॉलर के स्तर को पारकरने का एक बड़ा संकेत यह है कि भारत में निर्मित वस्तुओं और सेवाओं पर वैश्विक बाजार का भरोसा बढ़ता जा रहा है. इसका लाभ सीधे तौर पर हमारे उत्पादन क्षेत्र को मिला है. उत्पादन बढ़ने का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि रोजगार के अवसर बढ़ते हैं.हमारी आर्थिक प्रगति के लिए अधिक से अधिक रोजगार पैदा करना बेहद जरूरी है. इससे परिवारों की आमदनी में इजाफा होता है और वे ज्यादा खर्च करने की स्थिति में होते हैं..इससे बाजार में मांग बढ़ती है और महंगाई का दबाव कम होता है. इस प्रकार,उत्पादन, रोजगार और मांग एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं. इस साल के बजट प्रस्ताव और आर्थिक समीक्षा में मांग बढ़ाने पर बहुत जोर दिया गया था. उत्पादन में बढ़त को अन्य आर्थिक आंकड़ों के साथ जोड़कर देखें, तो अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर हम आश्वस्त हो सकते हैं..वस्तु एवं सेवा कर का रिकॉर्ड संग्रहण, आयकर जैसे प्रत्यक्ष करों में वृद्धि, भारतीय रेल और हवाई उड़ान सेवाओं में यात्रियों की बढ़ती तादाद आदि सकारात्मक भविष्य की ओर संकेत करते हैं. अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने यह बार-बार कहना शुरू कर दिया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में इस वर्ष भारत का उल्लेखनीय योगदान संभावित है. उत्पादन में वृद्धि का एक अहम कारक उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन योजना भी है. ऐसे में उद्योग और बाजार में आशा एवं उत्साह का बढ़ना स्वाभाविक ही है.

IMF Forecast

2023 के वैश्विक विकास में भारत-चीन की रहेगी आधी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एजेंसी

एशिया की विकास दर 4.6 प्रतिशत होगीअंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार एशिया-प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि दर 2022 में दर्ज 3.8 प्रतिशत से बढकर 2023 में 4.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। मंगलवार को जारी अपनी क्षेत्रीय आर्थिक परिदृश्य- एशिया व प्रशांत रिपोर्ट में वाशिंगटन स्थित कोष ने कहा है कि यह क्षेत्र वैश्विक वृद्धि में करीब 70 प्रतिशत का योगदान देगा। रिपोर्ट के अनुसार एशिया और प्रशांत क्षेत्र 2023 में दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गतिशील होंगे और इसमें चीन व भारत का सबसे अहम योगदान होगा। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र की इन दो सबसे बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का इस साल वैश्विक विकास में लगभग आधे का योगदान होगा। शेष एशिया और प्रशांत क्षेत्र बाकी बचे आधे के पांचवें हिस्से का योगदान देंगे।

एशियाई अर्थव्यवस्था की चाल भारत और चीन के विकास से प्रेरित होगी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'एशिया की गतिशीलता मुख्य रूप से चीन में सुधार और भारत में लचीली वृद्धि से प्रेरित होगी। हालांकि, शेष एशिया में विकास दर 2023 में अन्य क्षेत्रों के अनुरूप सबसे नीचे रहने की उम्मीद है। आईएमएफ ने कहा कि 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष प्रतीत होता है क्योंकि वैश्विक विकास में गिरावट आई है। इसका कारण मौद्रिक नीति में सख्ती (ब्याज दरों में लगातार वृद्धि के माध्यम से) और यूक्रेन में रूस के युद्ध का आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा लगातार मुद्रास्फीति का दबाव और अमेरिका व यूरोप में वित्तीय क्षेत्र की हालिया समस्याएं पहले से ही जटिल आर्थिक परिदृश्य को कठिन बना रही है। इस बीच प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की दुनिया के सबसे प्रमुख उधारदाताओं में से एक सिलिकॉन वैली बैंक दस मार्च को ढह गया। बीते सोमवार को फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को भी नियामकों ने सीज कर लिया। ये हालिया घटनाक्रम वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रति और अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका में कई बैंकों के डूबने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडराए

सिलिकॉन वैली बैंक समेत अमेरिका के कुछ क्षेत्रीय बैंकों के डूबने से वैश्विक बैंकिंग उद्योग में हलचल मच गई है। अर्थव्यवस्थाओं पर इसके संक्रमण के प्रभाव की आशंका पैदा हो गई है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में विकास को चीन की ओर से कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के विस्तार के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने से भी एक नई गति मिली है। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी दी कि इस गतिशील दृष्टिकोण का मतलब यह नहीं है कि क्षेत्र के नीति निर्माता आत्मसंतुष्ट होने का जोखिम उठा सकते हैं। आईएमएफ ने कहा, 'मौद्रिक नीति तब तक सख्त रहनी चाहिए जब तक मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में नहीं आ जाती। महंगाई के मामले में चीन और जापान अपवाद हैं, जहां उत्पादन क्षमता से कम है और मुद्रास्फीति कम रही है।

यूरोप का टॉप रिफाइनरी आपूर्तिकर्ता बना भारत

नई दिल्ली। एजेंसी

आंकड़ों से पता चला है कि भारत सऊदी अरब को पीछे छोड़ते हुए यूरोप में रिफाइंड ईंधन का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। यह रूसी तेल तक यूरोप की कम पहुंच और भारतीय कच्चे तेल उत्पादों पर उनकी बढ़ती निर्भरता के परिणामस्वरूप आता है। यूरोप भारत से अपने परिष्कृत ईंधन आयात को प्रति दिन 360,000 बैरल से अधिक बढ़ाने के लिए तैयार है, हालांकि यह अंततः मास्को के कच्चे तेल की अधिक मांग पैदा करता है, जो माल ढुलाई लागत वहन करता है। भारत में रूस का कच्चे तेल का आयात अप्रैल में प्रति दिन 2 मिलियन बैरल से अधिक होने की उम्मीद है, जो भारत के तेल आयात का लगभग 44% है। कुल यूक्रेन युद्ध के दौरान, रियायती दरों पर तेल की पेशकश करने के बाद रूस भारत के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया। फरवरी में, रूस मूल्य के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल निर्यातक था, इसके बाद सऊदी अरब और इराक थे। यह पश्चिमी देशों द्वारा तेल राजस्व पर अंकुश लगाने के लिए रूसी तेल पर मूल्य सीमा रखने के बावजूद आता है।

रूस, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता

वित्त वर्ष 2023 में, यूक्रेन संघर्ष के बीच रियायती तेल दरों की पेशकश करके रूस पहली बार भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बन गया। युद्ध के दौरान रूस से भारत के आयात के बारे में पश्चिम की चिंताओं के बावजूद, भारत ने एक दृढ़ रुख अपनाया है और जोर देकर कहा है कि वह ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी विकल्पों की तलाश कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, रूस फरवरी में मूल्य के लिहाज से भारत को कच्चे तेल का शीर्ष निर्यातक था, जिसने पश्चिमी मूल्य सीमा 60 डॉलर प्रति बैरल को पार कर लिया था। फरवरी में भारत ने रूस से 3.35 अरब डॉलर, सऊदी अरब से 2.30 अरब डॉलर और इराक से 2.03 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था। पश्चिमी देशों ने मूल्य शीर्षक लागू किया ताकि रूसी तेल राजस्व को सीमित किया जा सके जबकि एक वैश्विक मूल्य झटके से बचाने के लिए तेल की फ्लो को बनाए रखना था।

Bank Holidays: मई में 12 दिन बैंक रहेंगे बंद छुट्टी के साथ होगी महीने की शुरुआत

नई दिल्ली। एजेंसी

नए महीने की शुरुआत हो गई है। मई महीने में बैंकों की छुट्टियों की नई लिस्ट भी सामने आ चुकी है। आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर बैंकों की छुट्टियों की पूरी लिस्ट जारी कर दी गई है। आरबीआई की लिस्ट के मुताबिक मई महीने में बैंक 12 दिन बंद रहने वाले हैं। महीने की शुरुआत भी छुट्टी के साथ होने वाली है। इसमें से कुछ छुट्टियां देशभर के बैंकों पर लागू होगा तो कुछ राज्य और क्षेत्र विशेष पर। इस 12 दिन की छुट्टी में 4 रविवार और 2 शनिवार का अवकाश भी शामिल है।

मई में कितने दिन बैंक बंद

मई में अलग-अलग मौके पर कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। इसमें 6 दिन त्योहारों, दिवस और जयंती के कारण बैंक बंद रहेंगे तो वहीं 4 रविवार और 2 शनिवार को देशभर के बैंकों में छुट्टी होती है। मई महीने की शुरुआत छुट्टी के साथ हो रही है। इसमें 1 मई को मजदूर दिवस के मौके पर देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा मई में महाराष्ट्र दिवस, बुद्ध पूर्णिमा, महाराणा प्रताप जयंती के मौके पर बैंकों की छुट्टी होगी। आपको बता दें कि बैंकों की छुट्टी अलग-अलग जोन में अलग-अलग होती है।

अजय बांगा ने रचा इतिहास

वर्ल्ड बैंक के प्रेजिडेंट बने, इस पद पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय मूल के अजय सिंह बांगा वर्ल्ड बैंक के प्रेजिडेंट चुन लिए गए हैं। वर्ल्ड बैंक के 25 सदस्यीय एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने उन्हें पांच साल के लिए इस पद पर इलेक्ट किया है। उनका कार्यकाल दो जून से शुरू होगा। मास्टरकार्ड के सीईओ रहे 63 साल के बांगा को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फरवरी के अंत में इस पद के लिए नॉमिनेट किया था। वह इस पद के लिए एकमात्र दावेदार थे, इसलिए उनकी नियुक्ति पक्की मानी जा रही थी। बांगा इस पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। अब तक इंटरनेशनल मॉनीटरी फंड (IMF) या वर्ल्ड बैंक में भारतीय मूल का कोई भी व्यक्ति इस पद पर नहीं पहुंचा था। सिंह ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इकनॉमिक्स की डिग्री ली है। अमेरिकी नागरिक बांगा करीब 12 साल तक मास्टरकार्ड इंक का प्रमुख रहने के बाद दिसंबर 2021 में रिटायर हुए थे। वह डेविड मालपस की जगह लेंगे। वैसे उनका पांच साल का कार्यकाल अप्रैल 2024 में खत्म होना था लेकिन इससे पहले ही उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया था।

बांगा को फाइनेंशियल और टेक्नोलॉजिकल सेक्टर में विशेषज्ञता हासिल है। साथ ही उन्हें बड़े संस्थानों की अगुवाई करने का व्यापक अनुभव है। 63 साल के बांगा को बिजनस में 30 साल से अधिक अनुभव है और वह मास्टरकार्ड में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं। साथ ही वह अमेरिकन रेड क्रॉस, क्राफ्ट फूड्स और डाउ इंक के बोर्ड में रह चुके हैं। उन्हें 2016 में उन्हें पद्म श्री से नवाजा गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि उनका देश विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए अजय सिंह बांगा का नामांकन कर रहा है। उनका कहना था कि बांगा इतिहास के इस नाजुक वक्त में दुनिया की अगुवाई करने की सभी विशेषताएं हैं। अजय अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ पार्टनरशिप फॉर सेंट्रल अमेरिका के को-चेयर के रूप में काम कर चुके हैं। साथ ही वह Trilateral Commission के भी सदस्य हैं। अजय U.S.-India Strategic Partnership Forum के फाउंडिंग ट्रस्टी होने के साथ-साथ National Committee on United States-China Relations के सदस्य रह चुके हैं। वह American India Foundation के Chairman Emeritus भी हैं।

काम नहीं आया चीन का विरोध

बांगा का वर्ल्ड बैंक का प्रेजिडेंट बनना तय माना जा रहा था। इसकी वजह यह थी कि उनके अलावा किसी और ने इस पद के लिए नॉमिनेशन फाइल नहीं किया था। ऐतिहासिक रूप से वर्ल्ड बैंक की कमान अमेरिका के हाथों में रही है जबकि आईएमएफ का प्रेजिडेंट यूरोपियन होता है। वर्ल्ड बैंक प्रेजिडेंट के लिए नॉमिनेशन भरने की आखिरी तारीख 29 मार्च थी लेकिन किसी ने अपनी दावेदारी पेश नहीं की। चीन को बांगा के नाम पर आपत्ति थी और उसका कहना था कि वह किसी अन्य उम्मीदवार को सपोर्ट कर सकता है। लेकिन बांगा को भारत समेत दुनियाभर के प्रमुख देशों का जबरदस्त सपोर्ट मिला। अमेरिका की ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन ने उनका समर्थन करते हुए कहा था कि अगले कुछ महीनों में वर्ल्ड बैंक में अहम बदलाव देखने को मिलेगा। बांगा वर्ल्ड बैंक को 21वीं शताब्दी का चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेंगे। इससे बैंक गरीबी उन्मूलन और विकास लक्ष्यों को हासिल करने में सफल रहेगा।

अजय सिंह बांगा का जन्म महाराष्ट्र के पुणे में एक सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता आर्मी ऑफिसर थे, इसलिए उनका बचपन देश के कई शहरों में गुजरा। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्फीफंस कॉलेज से इकनॉमिक्स की डिग्री ली और फिर आईआईएम, अहमदाबाद से एमबीए किया। 1980 के दशक में नेस्ले से जुड़ गए और करीब एक दशक तक कंपनी में विभिन्न पदों पर काम किया। इसके बाद वह पेप्सिको इंक से जुड़ गए और कंपनी को भारत में फास्ट-फूड फ्रेंचाइजी लॉन्च करने में मदद की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 जुलाई 2021 तक अजय बांगा की अनुमानित नेट वर्थ करीब ₹206 मिलियन डॉलर थी। उनके पास ₹113,123,489 से अधिक मूल्य के मास्टरकार्ड स्टॉक की 60,000 से अधिक यूनिट्स थी। पिछले 13 साल में उन्होंने 69,986,261 डॉलर से ज्यादा मूल्य के एमए स्टॉक बेचे हैं।

विश्व का पहला नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कृषि उत्पादकता तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज विश्व के पहले नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री जी ने इफको सदन में आयोजित एक समारोह में नैनो डीएपी (तरल) राष्ट्र को समर्पित किया, जिसे भारत व विदेश में करोड़ों किसानों और सदस्य सहकारी समितियों ने ऑनलाइन देखा। इफको ने नैनो डीएपी के उत्पादन के लिए गुजरात में कलोल, कांडला और उड़ीसा में पारादीप में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की है। कलोल संयंत्र में उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। इस वर्ष नैनो डीएपी के 5 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया जाएगा जो 25 लाख टन डीएपी के बराबर होगा। आशा है कि वित्त वर्ष 2025-26 तक इफको के तीनों नैनो डीएपी संयंत्रों से नैनो डीएपी की 18 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया जाएगा। नैनो डीएपी (तरल)नाइट्रोजन और फास्फोरस का उत्तम स्रोत है, जो पौधों में इन पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है।उर्वरक क्षेत्र की विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्था इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव

लिमिटेड (इफको) द्वारा विकसित तरल उर्वरक नैनो डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत 2 मार्च, 2023 को अधिसूचित किया गया है। इफको को भारत में नैनो डीएपी (तरल) के उत्पादन की अनुमति देने के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की गई थी। यह जैविक रूप से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही अवशेष मुक्त हरित कृषि के लिए उपयुक्त है। इस अवसर पर दिये अपने उद्बोधन में श्री अमित शाह ने कहा , 'सफल सहकारी समितियां अपने ढांचे से बाहर निकलते हुए अनुसंधान और नए नए क्षेत्रों में पदार्पण की दृष्टि से इफको आज सभी सहकारी समितियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है। इफको के द्वारा नैनो डीएपी (तरल) का लॉन्च फ़र्टिलाइज़र के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। करोड़ों केमिकल फर्टिलाइजर युक्त भूमि भारतीयों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनी हुई है। आज लॉन्च हुए नैनोडीएपी (तरल) न केवल भूमि के संरक्षण में बड़ा योगदान देगा अपितु पौधे पर छिड़काव के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों को बढ़ाएगा।'

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर रजिस्टर किया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को गति देने में अपनी भूमिका को बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) पर पंजीकरण कराया है। यह भारत सरकार द्वारा उन संगठनों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है जो अपनी ऊर्जा को वंचित समुदायों के लिए काम करने के लिए समर्पित कर रहे हैं। एसएसई एक अनूठी पहल है, जिसकी परिकल्पना सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले सामाजिक उद्यमों और स्वैच्छिक संगठनों को एक व्यापक कैपिटल पूल तक पहुँचने में सक्षम बनाने के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में की गई है। इस संबंध में, श्री वेद मणि तिवारी, (सीईओ, एनएसडीसी और एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल) ने श्री हेमंत गुप्ता, (एमडी, बीआईएल रायर्सन टेक्नोलॉजी स्टार्टअप इनक्यूबेटर फाउंडेशन; हेड - बीएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज) से मुलाकात की।

वित्त वर्ष 2019-20 के बजट भाषण के हिस्से के रूप में माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सामाजिक उद्यमों और स्वैच्छिक संगठनों को सूचीबद्ध करने के लिए सेबी के नियामक दायरे के तहत एक इलेक्ट्रॉनिक फंड-रेज़िंग प्लेटफॉर्म- सोशल स्टॉक एक्सचेंज के विचार का प्रस्ताव रखा था जिससे एक सामाजिक कल्याण उद्देश्य की प्राप्ति हो ताकि वे इक्विटी, ऋण या म्यूचुअल फंड जैसी यूनिट के रूप में पूंजी जुटा सकें। रेगुलेटेड प्लेटफार्म जो सामाजिक उद्यमों और डोनर को एक साथ लाता है, सामाजिक प्रभाव और वित्तीय रिपोर्टिंग के मजबूत मानकों को सुनिश्चित करने के लिए तंत्र को सक्षम करने वाले सामाजिक उद्यमों के वित्त पोषण और विकास की सुविधा प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री वेद मणि तिवारी, (सीईओ, एनएसडीसी और एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल) ने कहा, 'कौशल भारत में नवाचार को प्रोत्साहित करने और आय और उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कौशल विकास में निवेश करके, हम व्यक्तियों को सशक्त बनाने में सक्षम होंगे और आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, नए उत्पादों और सेवाओं को बनाने और बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और विशेषज्ञता हासिल करने में उनकी मदद करेंगे।

किंग चार्ल्स ने ताजपोशी के लिए मुंबई के डब्बेवालों को बुलाया

एक डॉक्यूमेंट्री से बना था यह खास रिश्ता

नई दिल्ली। एजेंसी

ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय का राज्याभिषेक छह मई को होगी। इसके लिए तैयारियों जोरों पर हैं। इस खास मौके के लिए लंदन में वेस्टमिंस्टर एबे को दुल्हन की तरह सजाया गया है। इस आयोजन पर 10 करोड़ पाउंड (करीब 10,23,20,60,300 रुपये) खर्च किए जा रहे हैं। इसके लिए दुनियाभर की कई जानी-मानी हस्तियों को निमंत्रण भेजा गया है। इसमें अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन और भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शामिल हैं। लेकिन इन जानी-मानी हस्तियों के बीच कुछ आम लोगों को भी बुलाया गया है। हम बात कर रहे हैं मुंबई के मशहूर डब्बेवालों की। इन डब्बेवालों का मुंबई किंग चार्ल्स से खास रिश्ता रहा है। एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई के डिब्बेवालों ने राजा चार्ल्स और उनकी पत्नी कैमिला के लिए कई तोहफे खरीदे हैं। इनमें पुनेरी पगड़ी और वरकारी कम्युनिटी का एक शॉल खरीदा है। इतना ही नहीं उनका शनिवार को आसपास के अस्पतालों में मिठाई बांटने का भी कार्यक्रम है। मुंबई डब्बावाला एसोसिएशन के प्रवक्ता सुभाष तालेदार ने कहा, 'हम छह मई को आसपास के अस्पतालों में मिठाई बांटेंगे। प्रिंस चार्ल्स की वजह से दुनियाभर में हमारी कम्युनिटी को पहचान मिली। हम उनके आभारी हैं और उनकी ताजपोशी का जश्न मना रहे हैं।'

सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा रियल एस्टेट कॉन्क्लेव, 'रिइमेजिन' इंदौर में

6 मई को ब्रिलियंट कन्वेंशन देश के 1500 से अधिक रियल्टी एक्सपर्ट्स शामिल होगें

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एसोसिएशन ऑफ इंदौर रियल्टी एक्सपर्ट्स (एआईआर), सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े और पहले रियल एस्टेट कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रहा है। 'रिइमेजिन' नाम के इस कॉन्क्लेव का आयोजन शनिवार, 6 मई, 2023 को ब्रिलियंट कन्वेंशन, इंदौर में किया जाएगा। मध्य भारत सहित पूरे भारत के रियल एस्टेट एक्सपर्ट्स शिरकत करेंगे।

कॉन्क्लेव का आयोजन इंदौर में करने के बारे में बोलते हुए, गजेंद्र सिंह नारंग, प्रेसिडेंट, हितेश जैन कन्वेंशन चेयरमैन, हितेश ठाकुर चेयरमैन, मितेश शाह बाईस चेयरमैन, पल्लव विजयवर्गीय बाईस प्रेसिडेंट, शुभम् अग्रवाल सचिव, रितेश ठाकुर उप सचिव, विनोद वर्मा कोषाध्क्षय, विवेक गौड़, रूपा बिस्वास, संजय जैन बोर्ड मेम्बर एसोसिएशन ऑफ इंदौर रियल्टी एक्सपर्ट्स, कहते हैं, 'सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े और पहले रियल एस्टेट कॉन्क्लेव को मध्य प्रदेश की औद्योगिक नगरी, इंदौर में आयोजित करने का सबसे बड़ा कारण यह है कि इस शहर में लगभग हर क्षेत्र में अपार सम्भावनाएँ हैं। रियल एस्टेट में लोगों की रूचि बढ़-चढ़कर नज़र आती है, लेकिन जानकारी का अभाव इसमें विराम लगा देता है। इस कॉन्क्लेव के माध्यम से हमारा लक्ष्य इस अंतर को खत्म करना है।'

वे आगे कहते हैं, 'चूंकि यह मध्य भारत का पहला कॉन्क्लेव है, ऐसे में रियल एस्टेट को लेकर रियल्टर्स की उम्मीदें और भी अधिक बढ़ गई हैं। रियल एस्टेट इंडस्ट्री में वर्तमान समय में क्या चल रहा है, किस तरह के बदलाव आगे देखने को मिलेंगे और यह भविष्य में इसके कितना आगे जाने की सम्भावनाएं हैं, इसके बारे में हम रियल्टर्स को जानकारी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास यही रहेगा कि इवेंट में उपस्थित होने वाले तमाम रियल्टर्स रियल एस्टेट क्षेत्र की भरपूर जानकारी प्राप्त के साथ संतुष्ट होकर वापस जाएँ और भविष्य में इस क्षेत्र के लिए नए आयाम रखें। हम रियल्टर्स को आश्वस्त करते हैं कि हमारे द्वारा भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे।'

इस कॉन्क्लेव में 1500 से अधिक रियल्टी एक्सपर्ट्स के शामिल होने की उम्मीद है। इवेंट में रियल एस्टेट से संबंधित 3 पैनल डिस्कशन्स किए जाएँगे, जिसमें रेसिडेंशियल, कमर्शियल, सेंट्रल इंडिया और डिजिटल इंडिया से संबंधित विभिन्न स्पीकर्स शामिल होंगे, जो संबंधित विषयों पर अपनी बात रखने के साथ ही अपना नॉलेज शेयर करेंगे।

मुख्य अतिथी कैलाश विजयवर्गीय, विधायक आकाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव शुभारंभ करेंगे। बतौर स्पीकर्स, अहमदाबाद के स्वामी नारायण मंदिर के ज्ञानवत्सल जी महाराज, चेन्नई के अन्नादुरई और जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा शामिल होंगे। आयोजन में 3 पैनल डिस्कशन किए जाएगें। इसमें रियल स्टेट में चैलेंज ओर अपार्च्युनिटी, स्कोप ओर गर्वमेंट सपोर्ट, कमर्शियल स्पेस पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही रेरा पर भी चर्चा की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, बतौर प्रेजेंटेशन सभी स्पॉन्सर्स के स्टॉल्स लगाए जाएँगे, जिसकी सहायता से कॉन्क्लेव में शामिल होने वाले विजिटर्स को डेवलपर्स से संबंधित प्रोजेक्ट्स की भरपूर जानकारी भी मिल सकेगी।एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य रियल्टर्स को सही मार्गदर्शन प्रदान करना, रियल एस्टेट कंसल्टेंसी व्यवसाय को बदलते चलन के साथ नए आयाम प्रदान करना और ग्राहकों, बिडर्स व सहयोगियों के बीच अधिक पारदर्शिता लाना है। रियल्टर्स, डेवलपर्स, इंटीरियर्स के साथ ही तीन प्रमुख मोटिवेशनल स्पीकर्स भी इस कॉन्क्लेव की शोभा बढ़ाएँगे।

अमेरिका में 16 साल के टॉप लेवल पर ब्याज दरें, बैंकिंग संकट और मंदी के बीच बड़ा इजाफा

नई दिल्ली। एजेंसी

फेड रिजर्व ने एक बार फिर अपने पॉलिसी रेट में बढ़ोतरी किया है। ब्याज दर बढ़कर 16 साल के हाई लेवल पर चला गया है। ऑटो लोन से लेकर क्रेडिट कार्ड बोरॉइंग और बिजनेस लोन का ब्याज दर दोगुना हो चुका है। बैंकिंग संकट और मंदी की आशंकाओं के बीच महंगाई से मुकाबला के लिए फेड रिजर्व ने एक बार फिर अपने पॉलिसी रेट में बढ़ोतरी किया है। यूएस फेड रिजर्व बैंक ने बुधवार को 25 बेसिस प्वॉइंट या 0.25 फीसद का इजाफा किया है। इसके साथ ही अमेरिका में ब्याज दर बढ़कर 16 साल के हाई लेवल पर चला गया है।

लोन और महंगा हो जाएगा

फेड रिजर्व ने कहा है कि इससे आगे कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। बता दें फेड ने लगातार 10वीं बार रेट बढ़ाए हैं। पॉलिसी मीटिंग के बाद फेड रिजर्व के चेयरमेन जेरोम पॉवेल ने कहा कि बैंकिंग सिस्टम मजबूत और लचीला बना हुआ है। हालांकि खर्च और ग्रोथ दोनों की स्पीड सुस्त हो सकती है। फेड रिजर्व के इस कदम से अमेरिका में लोन और महंगा हो जाएगा। फेडरल रिजर्व की ओर से इस बढ़ोतरी से पहले ब्याज 5 फीसद था और अब 5.25 फीसदी हो चुका है। यह 2007 के बाद का हाई लेवल है। इस बढ़ोतरी से ऑटो लोन से लेकर क्रेडिट कार्ड बोरॉइंग और बिजनेस लोन का ब्याज दर दोगुना हो चुका है। नौकरी के अवसर घटे, छंटनी हुई ज्यादा: इससे पहले अमेरिका के श्रम विभाग की एक मासिक रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई थी। इसमें यह जिक्र था कि नौकरी के अवसर गिर गए और मार्च में छंटनी बढ़ गई।

इंदौर मेट्रो के ट्रायल रन के लिए 17 किलोमीटर की पैंथर लाइन तैयार

आसपास की 50 कॉलोनियों को भी मिलेगी निर्बाध बिजली

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मेट्रो प्रोजेक्ट का काम जहां लगातार अच्छी गति से चल रहा है, वहीं साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन की तैयारी जोर-शोर से जारी है। इंदौर की बिजली कम्पनी ने मेट्रो को बिजली उपलब्ध करवाने के लिए अत्याधुनिक पैंथर बिजली लाइन स्थापित की है, जो कि इंदौर-उज्जैन रोड पर 17 किलोमीटर लम्बाई में है। इससे जहां मेट्रो के प्रस्तावित ट्रायल रन को किया जा सकेगा, वहीं अरविन्दो क्षेत्र और उससे जुड़े उद्योगों और 50 से अधिक कॉलोनियों को भी निर्बाध बिजली मिलेगी। 14 मीटर ऊंचे खम्भों पर 33 किलोवॉट की यह पैंथर लाइन डाली गई है, जिस पर लगभग 17 करोड़ रुपए खर्च भी हुए हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि इस अत्याधुनिक लाइन के लिए स्थानीय विधायक व जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मांग की थी।

मंत्री सिलावट की पहल पर सत्रह करोड़ के कार्य की तत्काल मंजूरी देकर समय पर गुणवत्ता के साथ लाइन का काम पूर्ण कर दिया गया है। श्री तोमर ने बताया कि उज्जैन रोड़ स्थित जैतपुरा (धरमपुरी) के अति उच्च दाब पावर ग्रिड से 33 के.वी. की पैंथर लाइन 14 मीटर ऊंचे पोल पर लाई गई हैं। यह पैंथर लाइन जैतपुरा से टीसीएस चौराहे तक स्थापित की गई है। प्रबंध निदेशक के अनुसार इन लाइन से उज्जैन रोड़ के लगभग 12 किमी हिस्से,के अलावा अरविंदो अस्पताल क्षेत्र, बरदरी क्षेत्र व अन्य औद्योगिक इकाइयों, टीसीएस, इन्फोसिस व अन्य आईटी कम्पनियों, 50 कॉलोनियों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्बाध विद्युत प्रदाय होगा। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इस लाइन में मेट्रो का विशेष ध्यान रखा गया है। मेट्रो के लिए पृथक बिजली स्टेशन बनने तक इसी लाइन से कनेक्विटी प्रदान की जा सकेगी। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि इस पैंथर लाइन की पारेषण क्षमता परम्परागत बिजली लाइन से लगभग दोगुनी होती है। इस तरह इस लाइन से आगामी 10 सालों की बिजली वितरण व्यवस्था आसानी से संचालित की जा सकेगी।

ईपीएफओ ने बढ़ाई हायर पेंशन का विकल्प चुनने की डेट

नई दिल्ली। एजेंसी

ईपीएफओ के करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए अच्छी खबर है। ईपीएफओ ने हायर पेंशन का विकल्प चुनने के लिए डेट आगे बढ़ा दी है। इसकी डेडलाइन तीन मई को खत्म हो रही थी। लेकिन ईपीएफओ ने अब इसे बढ़ाकर 26 जून, 2023 कर दिया है। इस ऑप्शन को सेलेक्ट करने के बाद ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स की पेंशन बढ़ जाएगी। लेकिन इसकी प्रोसेस और डॉक्यूमेंट्स को लेकर लोगों के बीच भारी कंफ्यूजन बना हुआ था। इससे लोगों को हायर पेंशन का ऑप्शन चुनने में समस्या आ रही थी। इस वजह से अब हायर पेंशन का विकल्प चुनने की समयसीमा को आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इसके लिए अब तक केवल 12 लाख आवेदन मिले हैं।

चार नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने हायर पेंशन के बारे में अहम फैसला सुनाया था। इसके लिए चार महीने के अंदर नया ऑप्शन चुनने को कहा गया था। बाद में इस डेडलाइन को तीन मार्च से बढ़ाकर तीन मई 2023 कर दिया गया था। इसके लिए एक ऑनलाइन फैसिलिटी बनाई गई है। लेकिन पेंशन की गणना कैसे की जाएगी, इसे लेकर भ्रम बना हुआ है। साथ ही पीएफ फंड से पेंशन फंड में पैसा ट्रांसफर करने की प्रक्रिया भी साफ नहीं है। ऐसे में इसे चुनने वालों के बीच कंफ्यूजन बना हुआ है। इसलिए इस तारीख को आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी।

ईपीएफओ ने क्या कहा

ईपीएफओ ने मंगलवार शाम को जारी एक बयान में कहा कि तीन मई को खत्म होने वाली समय-सीमा को बढ़ाकर 26 जून, 2023 कर दिया गया है। इस तरह पात्र कर्मचारी अब 26 जून तक अधिक पेंशन पाने के लिए अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। ईपीएफओ ने उच्चतम न्यायालय के चार नवंबर, 2022 के पेंशन संबंधी एक महत्वपूर्ण निर्णय पर अमल करते हुए मौजूदा अंशधारकों एवं सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को भी तीन मई, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करने को कहा था। इस अहम फैसले में न्यायालय ने कहा था कि ईपीएफओ को अपने मौजूदा एवं पूर्व अंशदाताओं को अधिक पेंशन का विकल्प चुनने का अवसर देना चाहिए। इसके लिए कुछ शर्तें एवं व्यवस्थाएं भी रखी गई थीं।

हालांकि कर्मचारी संगठनों के कई प्रतिनिधियों ने ईपीएफओ से समयसीमा को बढ़ाने का अनुरोध किया था। इस बात को ध्यान में रखते हुए अधिक पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की समय-सीमा को बढ़ाकर 26 जून करने का निर्णय किया गया है। ईपीएफओ ने कहा कि कर्मचारियों, नियोक्ताओं एवं उनके संगठनों से आई मांगों पर विधिवत विचार करने के बाद समय-सीमा बढ़ाई गई है। इससे पेंशनधारकों एवं मौजूदा अंशधारकों को आवेदन करने के लिए पर्याप्त समय मिल पाएगा। EPFO ने 1 सितंबर, 2014 के बाद पीएफ खाता खुलवाने वाले कर्मचारियों को EPS के जरिये हायर पेंशन चुनने का विकल्प दिया है। इसके तहत 15,000 से ज्यादा कमाने वालों को भी अब EPS में 8.33 फीसदी अंशदान का मौका दिया जाएगा, ताकि रिटायरमेंट के बाद उन्हें ज्यादा पेंशन मिल सके। हालांकि, इस नियम के जरिये पीएफ खाते में जाने वाली राशि कम हो जाएगी और इसे लेकर कर्मचारी और नियोक्ता को संयुक्त रूप से एक करार करना होगा।

WEF की रिपोर्ट का बड़ा दावा

अगले 5 वर्षों में कम हो जाएंगी 14 मिलियन जॉब्स

नई दिल्ली। एजेंसी

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आगामी 5 वर्षों में दुनिया भर से 14 मिलियन नौकरियां गायब हो जाएंगी। यह रिपोर्ट 800 से अधिक कंपनियों के सर्वेक्षणों पर आधारित है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इन पांच वर्षों में कई कंपनियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भूमिका बढ़ने वाली है।

WEF ने पाया कि कंपनियों की तरफ से 2027 तक 69 मिलियन नए रोजगार सृजित की जा सकती है। हालांकि 83 मिलियन पदों को भी समाप्त कर दिया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप 14 मिलियन नौकरियों का नुकसान होगा। अगर इतनी नौकरियां कम होंगी तो यह वर्तमान रोजगार के 2% के बराबर होगा।

नई नौकरियों में अक्षय ऊर्जा का होगा बड़ा योगदान

नई नौकरियां पैदा करने में अक्षय ऊर्जा प्रणालियों में बदलाव का महत्वपूर्ण योगदान होगा। हालांकि, धीमी आर्थिक वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति नौकरी के नुकसान को बढ़ा सकती है।

इस वजह से ज्यादा घटेंगी नौकरियां

आने वाले समय में AI पॉजिटिव और निगेटिव दोनों शक्तियों के रूप में काम करेगा। एआई टूल्स को लागू करने और प्रबंधित करने में मदद के लिए कंपनियों को नए कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। लेकिन कई पदों की भी AI की वजह से खत्म कर दिया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक डेटा विश्लेषकों और वैज्ञानिकों, मशीन लर्निंग विशेषज्ञों व साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का रोजगार 2027 तक औसतन 30% बढ़ने का अनुमान है। लेकिन AI कई नौकरियों को खतरे में भी डाल देगा। इसके चलते सबसे ज्यादा नुकसान डाटा एंट्री क्लर्क और कार्यकारी सचिवों के पदों को होगा।

देश में एक दिन में सबसे ज्यादा लोगों ने की हवाई यात्रा

ऑल टाइम हाई पर एयर ट्रैफिक, किस बात का है यह संकेत?

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस महामारी के दौरान एविएशन सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित हुआ था। लंबे समय तक हवाई यातायात पूरी तरह बंद था। एयरलाइंस पर कर्ज बढ़ता जा रहा था। कई छोटी एयरलाइंस तो इस दौरान बर्बाद हो गईं। हालांकि, जैसे ही हवाई यातायात फिर से शुरू हुआ, लोगों ने जमकर फ्लाइट्स (Flights) लीं। एयरपोर्ट्स पर भारी भीड़ की तस्वीरें हम सबने देखी हैं। ग्राहक बढ़े तो एयरलाइंस ने नई भर्ती भी की और नए विमान भी खरीदे। नई एयरलाइंस भी अस्तित्व में आ रही हैं। समय लगा लेकिन अब घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या महामारी से पहले के लेवल के करीब बराबर हो गयी हैं।

फिर से बुलंदियों पर एविएशन मार्केट

भारत का एविएशन मार्केट एक बार फिर बुलंदियों पर है। घरेलू हवाई यात्रा में लगातार इजाफा हो रहा है। फरवरी महीने के आंकड़े बताते हैं कि यह महामारी से पहले के लेवल के लगभग करीब है। पैसेंजर रेवेन्यू किलोमीटर्स के मामले में घरेलू विमानन बाजार महामारी से पहले के स्तर तक पहुंचने से सिर्फ 2.2 फीसदी दूर था। एविएशन इंडस्ट्री में रेवेन्यू पैसेंजर किलोमटर एक प्रमुख मिट्रिक होता है, जो हवाई परिवहन की मांग को मापता है। किसी देश में हवाई यात्रा की बढ़ती हुई मांग बढ़ी हुई व्यावसायिक गतिविधि का संकेत देती है।

महामारी से उबर रहा कारोबार

हवाई यात्रा की मांग का महामारी से पहले के स्तर तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारत का कारोबार महामारी के संकट से उबर रहा है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बाजार विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार, ईंख के अलावा एक अन्य मीट्रिक भी घरेलू विमानन बाजार में सुधार की ओर इशारा करता है। पैसेंजर लोड फैक्टर में भारत अमेरिका, चीन और जापान समेत कई बड़े देशों से आगे है। पीएलएफ एक मीट्रिक है, जो किसी एयरलाइन की यात्री वहन क्षमता के उपयोग की दर को मापता है। इस मीट्रिक पर भारत पिछले चार महीनों में टॉप घरेलू मार्केट रहा है। इसने फरवरी में 81.6 फीसदी, जनवरी में 85.2 फीसदी, दिसंबर 2022 में 88.9 फीसदी और नवंबर 2022 में 87.9 फीसदी का पीएलएफ प्राप्त किया है।

हवाई यातायात में तेजी से हो रहा सुधार

मार्च में रेटिंग एजेंसी ICRA ने घरेलू हवाई यात्री यातायात में तेजी से सुधार का हवाला देते हुए भारत के विमानन क्षेत्र के आउटलुक को नकारात्मक से स्थिर कर दिया था। इसने 2022-23 में भारतीय विमानन उद्योग के नुकसान को 11,000 करोड़ रुपये से 13,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया था। साथ ही भविष्यवाणी की थी कि अगले वित्त वर्ष में यह घटकर 5,000 रुपये से 7,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

इस साल आएगी बंपर तेजी

ICRA ने अगले वित्त वर्ष में 8-13 फीसदी की घरेलू यात्री यातायात वृद्धि का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष 2023 में इसमें 55-60 फीसदी तेजी की उम्मीद है। इससे यह 145 से 150 मिलियन पर पहुंच जाएगा, जो प्री कोविड लेवल से काफी अधिक है।

डॉलर के दबदबे को मिल रही चुनौती, डॉलर और चैलेंजर के बीच क्या करे भारत?

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अमेरिका में चिंता साफ दिख रही है। डॉलर के दबदबे को चुनौती ने वहां शंकाओं को जन्म दे दिया है। दुनिया भर में आवाजें उठ रही हैं कि डॉलर से दूरी बनाने की कोशिशें तेज होनी चाहिए। नामी अमेरिकी अर्थशास्त्री जोसफ सुलिवन ने हाल में कहा है कि अगर BRICS देश (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, साउथ अफ्रीका) अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए अपनी संयुक्त करंसी लाते हैं तो इससे डॉलर के लिए मुश्किल हो सकती है।

कितनी है ताकत: अमेरिकी डॉलर की हैसियत क्या है, ये बताने के लिए इतना काफी होगा कि ग्लोबल विदेशी मुद्रा व्यापार में इसका हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि हाल के वर्षों में प्रभुत्व धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह ट्रेंड कई कारणों से है। अमेरिकी डॉलर की स्थिरता पर चिंताएं बढ़ी हैं। व्यापार भुगतान के लिए दूसरी मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ रहा है। आर्थिक महाशक्ति के रूप में चीन और भारत का उदय हो रहा है।

अब सवाल ये उठता है कि दुनिया की मुद्रा व्यवस्था में अगर इतने बड़े बदलाव की संभावना है तो भारत को क्या रुख अपनाना चाहिए? क्या उसे डॉलर की पुरानी ताकत पर इसलिए भरोसा करना चाहिए कि हाल के बरसों में अमेरिका से आर्थिक करीबी बढ़ी है। या फिर BRICS की पहल का साथ देना चाहिए, जिस मंच पर भारत के साथ चीन भी खड़ा होता है।

कितनी है उम्मीद

ट्रंप के शासनकाल के दौरान सुलिवन वाइट हाउस की आर्थिक सलाहकार परिषद में रह चुके हैं। उनकी शंकाएं एकदम से निर्मूल नहीं कही जा सकती हैं। BRICS देश भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि विदेशी कारोबार के लिए एक नई करंसी होनी चाहिए। कहा जा रहा है कि ये विचार इस साल अगस्त में आकार भी ले सकता है, क्योंकि तब BRICS का सालाना सम्मेलन होना है। एक

रूसी राजनेता के हवाले से आई रिपोर्ट के मुताबिक, BRICS देश एक नया पेमेंट सिस्टम विकसित कर रहे हैं। निश्चित रूप से इससे डॉलर या यूरो को प्रोटेक्शन नहीं मिलेगा।

किसका है आइडिया

BRICS करंसी की बात सबसे पहले रूस ने सामने रखी, क्योंकि यूक्रेन जंग के बाद उसे पश्चिमी देशों की पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है। ये आरोप काफी पहले से लगते रहे हैं कि अमेरिका डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। इसके विरोध में एक मंच पर खड़े रूस और चीन के बीच कारोबार युआन में होना तय हो गया। कुछ समय पहले ब्राजील और चीन ने एक अग्रीमेंट किया, जिसमें उन्होंने डॉलर से नाता तोड़कर अपनी अपनी करंसी में कारोबार का भुगतान करना तय किया।

रुपये में कारोबार: करीब 18 देश भारत के साथ रुपये के जरिए कारोबार के लिए तैयार हैं। रूस और भारत के बीच भी ज्यादातर कारोबार रुपये में हो रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक फ्रेमवर्क बनाया है, जो भारत के साथ रुपये में कारोबार करने के इच्छुक किसी भी भागीदार देश पर लागू होगा। भारत के लिए एक और बात अहम है कि वह डिजिटल करंसी चलाने की कोशिशों में जुटा है। इससे रुपये को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में बहुत मदद मिलने की संभावना है।

फायदे और नुकसान: डॉलर का इस्तेमाल कम होने के फायदे और नुकसान दोनों हैं। इससे किसी एक करंसी पर निर्भरता का रिस्क कम होगा, देश की अपनी मुद्रा मजबूत होगी। हम मुद्रा पर अपनी स्वतंत्र नीति तय कर सकेंगे। कभी अमेरिका ने पाबंदियां लगाईं तो उसका आसानी से सामना किया जा सकेगा। लेकिन इस बदलाव का सफर चुनौतियों से भरा होगा। थोड़े समय के लिए अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है।

समस्या कहां है

अमेरिका साफतौर पर रूस और चीन का विरोधी है, जबकि हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में वह भारत को रणनीतिक सहयोगी और साझेदार मानता है। भारत भी मानता है कि डॉलर के इस्तेमाल को कम करने की रूस और चीन की कोशिश फिलहाल वैचारिक ज्यादा है, व्यावहारिक कम। डॉलर के आधिपत्य को चुनौती देने के लिए BRICS की लामबंदी को भारत में जोरदार समर्थन नहीं देखा गया। भारत और चीन के बीच हालिया सैनिक तनाव ने भी गतिरोध का काम किया है।

मिलेगी मदद

अगर BRICS देश अपनी करंसी लाते हैं तो भविष्य में यह उनकी अर्थव्यवस्था को स्थिरता देने में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगा। लेकिन डॉलर पर निर्भरता से मुक्ति रातोंरात तो नहीं मिल सकती। मिलनी भी नहीं चाहिए, क्योंकि घटनाक्रम तेजी से बदला तो अमेरिका की प्रतिक्रिया भी हैरान करने वाली हो सकती है। इसे बेहद संतुलित तरीके से अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत है।

ATM पर नए नियम हो गए हैं लागू, ऐसा हुआ तो लगेंगे चार्जेज

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में हर महीने की पहली तारीख से कई बदलाव होते हैं। मई महीने की शुरुआत हो चुकी है। मई महीने की पहली तारीख से कई चेंजेज हो चुके हैं। ये सीधे आम आदमी की जेब पर असर डालेंगे। इन चेंजेज में जीएसटी के नियमों से लेकर एटीएम ट्रांजेक्शन आदि कई चीजें शामिल हैं। अब कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक इनवॉइस जारी होने के सात दिनों के अंदर उसे आईआरपी पर अपलोड करना होगा।

PNB के एटीएम ट्रांजैक्शन फेल पर भी से चार्ज लगेगा। ब्रोकर्स ग्राहकों के पैसे से बैंक गारंटी नहीं ले सकेंगे। वहीं टाटा और आउडी ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में इजाफा किया।

ATM ट्रांजैक्शन फेल होने पर लगेगा चार्ज

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के ग्राहकों को बड़ा झटका लगने जा रहा है। अगर किसी पीएनबी ग्राहक के अकाउंट में पैसे नहीं है और वह एटीएम से ट्रांजेक्शन करता है और वह फेल हो जाता है तो बैंक इस ट्रांजैक्शन पर चार्ज वसूलेगा। ऐसे ट्रांजेक्शन पर 10 रुपये और उएऊ अलग से लगेगा। बैंक की तरफ से ग्राहकों को मेसेज भेजकर इस संबंध में सूचना दी गई है। इसके अलावा बैंक की वेबसाइट पर नोटिस भी जारी किया गया है। यह नियम 1 मई 2023 से लागू हो रहा है।

टाटा मोटर्स ने फिर बढ़ाए कारों के दाम

बिक्री के मामले में इस वक्त देश की नंबर-3 कार कंपनी टाटा मोटर्स ने ऐलान किया है कि वो अपनी सभी कार और उनके मॉडल्स पर दाम बढ़ाने वाली है। कंपनी अपने सभी मॉडल्स पर 0.6 फीसदी तक दाम बढ़ा रही है। इस साल दूसरी बार टाटा ने दाम बढ़ाए हैं। आउडी भी अपनी गाड़ियों के दामों में बढ़ोतरी करने जा रही है। लग्जरी एसयूवी Q3 और Q3 Sportback की कीमतों में 1 लाख रुपये तक का इजाफा होगा। ऑडी Q8 सेलिब्रेशन, ऑडी RS5 और ऑडी ए5 की कीमतों में 4 लाख रुपये तक की बढ़ोतरी होगी।

ग्राहकों के पैसे से नई बैंक गारंटी नहीं ले पाएंगे ब्रोकर

ब्रोकर्स अपनी जरूरत के हिसाब से निवेशकों के फंड्स को बैंक के पास गारंटी के लिए रख देते थे और ऐसे में आम निवेशकों के पैसों का दुरुपयोग होने की संभावना बनी रहती थी। लेकिन 1 मई से ब्रोकर्स ऐसा नहीं कर सकेंगे। मार्केट रेगुलेटर सेबी (एँघें) ने एक हालिया सर्कुलर में यह आदेश जारी किया है कि स्टॉक ब्रोकरों और क्लीयरिंग मेंबर्स अब क्लाइंट्स के पैसों को गारंटी के रूप में बैंकों के पास गिरवी नहीं रख सकते हैं। अभी जो मौजूदा बैंक गारंटी है, वह 30 सितंबर तक निरस्त हो जाएगी।

7 दिन में अपलोड करनी होगी रसीद

जिन कंपनियों का कुल कारोबार 100 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा है, उनको अब एक मई से इलेक्ट्रॉनिक इनवॉइस यानी रसीद जारी होने के 7 दिनों के भीतर उसे इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल यानी आईआरपी (IRP) पर अपलोड करना होगा। अभी तक ऐसी कोई डेडलाइन नहीं थी। जीएसटी नेटवर्क ने कहा कि समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तय टर्नओवर के दायरे में आने वाले टैक्सपेयर्स को सात दिन से ज्यादा पुराने इनवॉइस को अपलोड करने की रिपोर्ट करने की सुविधा नहीं मिलेगी। ऐसा ना करने वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आईटीसी (ITC) का लाभ नहीं उठा पाएंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर

फैक्ट्रियों में तेजी से हो रहा काम, 4 महीने के हाई पर मैन्यूफैक्चरिंग PMI

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक अच्छी खबर सामने आई है। अप्रैल महीने में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। इसके चलते अप्रैल में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की पीएमआई चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी है। अप्रैल में एसएंडपी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI) मार्च के 56.4 से बढ़कर 57.2 अंक पर जा पहुंची। इससे पता चलता है कि इस साल अब तक इस सेक्टर की गतिविधियों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। PMI की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है। जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पॉलियाना डी लीमा के अनुसार नए ऑर्डर में मजबूती और उत्पादन में तेजी के चलते अप्रैल में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उछाल आया। कंपनियों को मूल्य दबाव अपेक्षाकृत रूप से कम रहने, बेहतर अंतरराष्ट्रीय बिक्री और सप्लाई चेन में सुधार देखने को मिला है।

ऑर्डर्स में आया उछाल

अप्रैल में माल उत्पादकों को दिए गए नए ऑर्डर पिछले दिसंबर के बाद सबसे तेज गति से बढ़े हैं। बाजार की अनुकूल परिस्थितियों, अच्छी मांग और प्रचार से भी समर्थन मिला। मैन्युफैक्चरर्स ने अप्रैल में उच्च परिचालन लागत के संकेत दिए हैं। इसके अलावा, सकारात्मक भावना का ओवरऑल लेवल मार्च से बढ़ा है।

भारत और UAE का कारोबार 50 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) को भारत का निर्यात 2026-27 तक बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। यह इस समय 31.3 अरब डॉलर है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते के कारण यह वृद्धि होने की उम्मीद है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि पिछले साल एक मई को व्यापार समझौता लागू होने के बाद भारत और यूएई के बीच व्यापार में काफी वृद्धि हुई है। 'हमें उम्मीद है कि हम 2026-27 तक 50 अरब डॉलर के निर्यात तक पहुंचने में सक्षम होंगे।'

बुद्ध पूर्णिमा पर राशि अनुसार करें शुभ काम

मेष राशि के लोग दूध का और कर्क राशि के लोग जल का दान करें, मिथुन राशि के लोग किसी मंदिर में पौधा लगाएं

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

शुक्रवार, 5 मई को वैशाख मास की पूर्णिमा है। इसी दिन बुद्ध जयंती और उपछाया चंद्र ग्रहण भी है। चंद्र ग्रहण उपछाया है, इस कारण इसकी धार्मिक मान्यता नहीं है। वैशाख पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान और दान-पुण्य करने की परंपरा है। इस दिन भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़नी-सुननी चाहिए। पूजा-पाठ के साथ ही राशि अनुसार कुछ खास शुभ काम करेंगे तो कुंडली के कई ग्रह दोष शांत हो सकते हैं।

मेष- घर के आसपास जरूरतमंद लोगों को दूध या खीर बांटें।

वृष- दही और गाय का घी छोटे बच्चों को दान करें।

मिथुन- घर के आसपास किसी मंदिर में छायादार वृक्ष का पौधा लगाएं।

कर्क- जल का दान करें। किसी प्याऊ में पानी से भरा मटका दान कर सकते हैं।

सिंह- गुड़ का दान करें।

कन्या- घर के आसपास छोटी कन्याओं को पढ़ाई से जुड़ी चीजें जैसे कॉपी, पेन आदि दान करें।

तुला- दूध, चावल और शुद्ध घी का दान करें।

वृश्चिक- लाल मसूर की दाल का दान करें।

धनु- चने की दाल पीले कपड़े में बांधकर दान करें।

मकर और कुंभ- काले तिल, तेल, जूते-चप्पल, छाता और नीले कपड़ों का दान करें।

मीन- रोगियों को फल और दवाओं का दान करें।

वैशाख पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम भी

■5 मई को पर हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। ■भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करें। दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिश्रित भरें और भगवान का अभिषेक करें। भगवान को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। ■शिवलिंग के पास दीपक जलाकर ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। देवी पार्वती को सुहाग का सामान जैसे चूड़ी, लाल साड़ी, कुमकुम आदि चीजें अर्पित करें। ■शुक्रवार (5 मई) को शुक्र ग्रह के लिए दूध का दान करें। शुक्र की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। इसलिए चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं।

नरसिंह प्रकटोत्सव

सतयुग में हुआ था भगवान विष्णु का नृसिंह अवतार

सिद्धि योग बनने से खास रहेगा पर्व, शाम को होती है विशेष पूजा

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

4 मई को भगवान विष्णु के चौथे अवतार नरसिंह का प्रकटोत्सव मनेगा। पद्म और स्कंद पुराण के मुताबिक वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर भगवान नरसिंह प्रकट हुए थे। ये तिथि गुरुवार को रहेगी। नृसिंह अवतार सतयुग के चौथे चरण में हुआ था। ये भगवान विष्णु के रौद्र रूप का अवतार है। भगवान विष्णु अपने भक्त प्रहलाद को दैत्य हिरण्यकश्यप से बचाने के लिए इस रूप में प्रकट हुए। ये अवतार प्रदोष काल में हुआ था, इसलिए शाम को भगवान नरसिंह की विशेष पूजा होती है। इस बार सिद्धि योग बनने से ये पर्व और खास रहेगा।

कथा के मुताबिक दैत्य हिरण्यकश्यप का बेटा प्रहलाद भगवान विष्णु का भक्त था, इसलिए प्रहलाद पर अत्याचार होते थे। कई बार मारने की कोशिश भी की गई। भगवान विष्णु अपने भक्त को बचाने के लिए खंबे से नरसिंह रूप में प्रकट हुए। इनका आधा शरीर सिंह का और आधा इंसान का था। इसके बाद भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप को मार दिया।

ये अवतार बताता है कि जब पाप बढ़ता है तो उसको खत्म करने के लिए शक्ति के साथ ज्ञान भी जरूर होता है। ज्ञान और शक्ति पाने के लिए भगवान नरसिंह की पूजा की जाती है। इस बात का ध्यान रखते हुए ही उन्हें पवित्रता और ठंडक के लिए चंदन चढ़ाते हैं।

भगवान नरसिंह की पूजा से जुड़ी बातें

भगवान नरसिंह की विशेष पूजा संध्या के समय की जानी चाहिए। यानी दिन खत्म होने और रात शुरू होने से पहले जो समय होता है उसे संध्याकाल कहा जाता है। पुराणों के अनुसार इसी काल में भगवान नरसिंह प्रकट हुए थे।

भगवान नरसिंह की पूजा में खासतौर से चंदन चढ़ाया जाता है और अभिषेक किया जाता है। ये भगवान विष्णु के रौद्र रूप का अवतार है। इसलिए इनका गुस्सा शांत करने के लिए चंदन चढ़ाया जाता है। जो कि शीतलता देता है। दूध, पंचामृत और पानी से किया गया अभिषेक भी इस रौद्र रूप को शांत करने के लिए किया जाता है।

पूजा के बाद भगवान नरसिंह को ठंडी चीजों का नैवेद्य लगाया जाता है। इनके भोग में ऐसी चीजें ज्यादा होती हैं जो शरीर को ठंडक पहुंचाती हैं। जैसे दही, मक्खन, तरबूज, सत्तू और ग्रीष्म ऋतुफल

चढ़ाने से इनको ठंडक मिलती है और इनका गुस्सा शांत रहता है।

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर भगवान नरसिंह के प्रकट होने से इस दिन जल और अन्न का दान दिया जाता है। जो भी दान दिया जाता है वो, चांदी या मिट्टी के बर्तन में रखकर ही दिया जाता है। क्योंकि मिट्टी में शीतलता का गुण रहता है।

क्यों लिया ऐसा अवतार: आधा शरीर इंसान और आधा शेर

नरसिंह रूप भगवान विष्णु का रौद्र अवतार है। ये दस अवतारों में चौथा है। नरसिंह नाम के ही अनुसार इस अवतार में भगवान का रूप आधा नर यानी मनुष्य का है और आधा शरीर सिंह यानी शेर का है। राक्षस हिरण्यकश्यप ने भगवान की तपस्या कर के चतुराई से वरदान मांगा था। जिसके अनुसार उसे कोई दिन में या रात में, मनुष्य, पशु, पक्षी कोई भी न मार सके। पानी, हवा या धरती पर, किसी भी शस्त्र से उसकी मृत्यु न हो सके।

इन सब बातों को ध्यान में रख भगवान ने आधे नर और आधे मनुष्य का रूप लिया। दिन और रात के बीच यानी संध्या के समय, हवा और धरती के बीच यानी अपनी गोद में लेटाकर बिना शस्त्र के उपयोग से यानी अपने ही नाखूनों से हिरण्यकश्यप को मारा।

ग्रहण से पहले चंद्रमा को ऐसे दें अर्घ्य, कष्टों को दूर करते हैं लाल किताब के ये उपाय

इस बार साल का पहला चंद्र ग्रहण बुद्ध पूर्णिमा पर 5 मई को लगने वाला है। ज्योतिष के मुताबिक चंद्र ग्रहण तुला राशि में लगने जा रहा है और इस दिन भद्रा का साया भी रहने से कुछ राशि वालों के लिए इसका असर अशुभ भी हो सकता है। हिंदू पंचांग के अनुसार चंद्र ग्रहण रात 8.45 मिनट से शुरू होगा और रात 1 बजे तक रहेगा और इस ग्रहण का सूतक काल 9 बजे से शुरू होगा।

ग्रहण का होता है नकारात्मक असर

ज्योतिष शास्त्र में चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण को एक अशुभ घटना माना जाता है। ऐसे में लाल किताब के कुछ उपायों को आजमाकर आप ग्रहण के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इसके अलावा लाल किताब के इन उपायों को आजमाकर कुंडली में मौजूद कुछ ग्रह दोषों को भी दूर किया जा सकता है -

ग्रहण के दौरान इन मंत्रों का करें जाप

चंद्र ग्रहण के दौरान अशुभ प्रभाव से बचने के लिए 'ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद-प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जप करना चाहिए। ऐसा करने से करियर की नई राह भी खुलती है। इसके अलावा देवी लक्ष्मी की प्रसन्न करने के लिए 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं ॐ स्वाहाः' मंत्र का जप करना लाभकारी होता है।

लाल किताब के इन उपायों से दूर होता है ग्रहण दोष

■ चंद्र ग्रहण के बाद पहले सोमवार का व्रत रखकर शिवजी की पूजा करें।

■ केसर की खीर का देवी लक्ष्मी को भोग लगाएं और कन्याओं को खिलाएं।

■सफेद वस्त्र और चावल का गरीबों को दान करना चाहिए।

■ शुक्रवार को पानी या फिर दूध को साफ बर्तन में डालकर सिरहाने रखकर सो जाएं।

■ अगले दिन सुबह शनिवार को कीकर के वृक्ष की जड़ में डाल दें।

ग्रहण से पहले चंद्रमा को ऐसे दें अर्घ्य

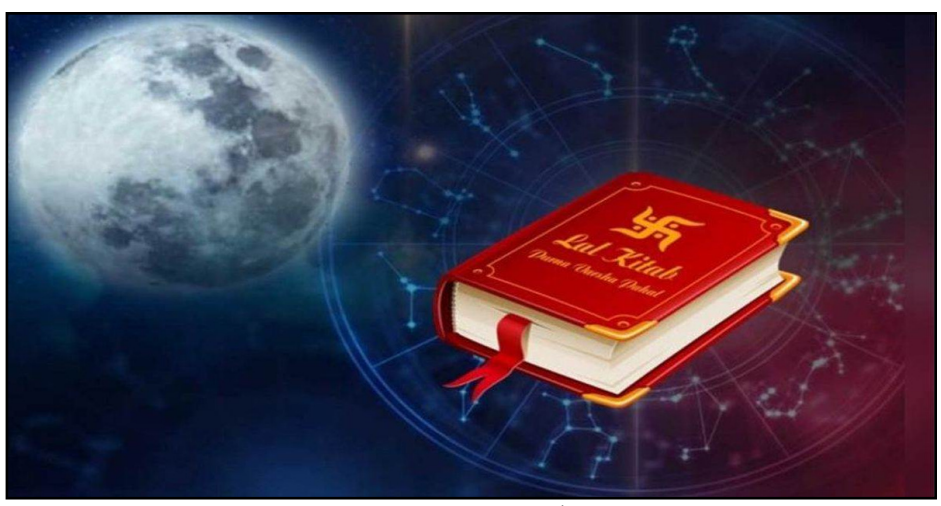

चंद्र ग्रहण से पहले ही कटिंग, दाढ़ी या चोटी को हटा देना चाहिए। ग्रहण के समय ये नहीं रखना चाहिए। चंद्र ग्रहण से पहले चांदी के लोटे में गंगाजल, चावल, शक्कर और दूध मिलाकर चंद्रमा को अर्घ्य दें। लाल किताब के मुताबिक चंद्र ग्रहण के दिन पानी वाले नारियल लें और उसे अपने सिर पर से 21 बार वार कर बहते पानी में प्रवाहित कर देने से ग्रहण दोष दूर हो जाता है और नकारात्मक ऊर्जाएं रहती हैं।

बाइक और कार नहीं 3-व्हीलर्स की बढ़ रही है बिक्री, जानिए अप्रैल में कैसी रही गाड़ियों की सेल

नई दिल्ली। एजेंसी

अप्रैल महीने में लोगों ने कम गाड़ियां खरीदी हैं। बीते महीने वाहनों की खुदरा बिक्री (Vehicle Retail Sales) में 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। टू-व्हीलर सेल (Two-wheeler sales) में सबसे अधिक 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट की सेल में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। फाडा ने जीएसटी काउंसिल से टू-व्हीलर्स पर जीएसटी को 28% से घटाकर 18% करने की मांग की है, जिससे इसकी बिक्री को फिर से मोमेंटम मिल सके। कुल ऑटो बिक्री में टू-व्हीलर्स की हिस्सेदारी 75 फीसदी होती है। हालांकि, लंबे समय से इस सेगमेंट की सेल्स घट रही है।

प्री-कोविड से 19% कम है टू-व्हीलर सेल

टू-व्हीलर बिक्री में गिरावट ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमजोर स्थिति को दर्शाती है। टू-व्हीलर सेल्स अभी भी कोरोना से पहले के समय से काफी कम है। यह अप्रैल 2019 की तुलना में 19 फीसदी कम है। देश की रूरल इकॉनमी में अभी तक कोई अच्छी प्रोग्रेस देखने को नहीं मिली है। हालांकि, मई महीने में होने वाली शादियों के चलते टू-व्हीलर सेल्स में थोड़ा उछाल देखा जा सकता है।

OBD 2A नियमों से गाड़ियां हुईं महंगी

फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने एक बयान में कहा, 'पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2023 में रिकॉर्ड सेल्स दर्ज की थी। इसमें अप्रैल महीने में गिरावट आई है। खुदरा बिक्री में 1 फीसदी सालाना की गिरावट दर्ज हुई है। यह पिछले साल के हाई बेस और OBD 2A नियमों के चलते है। इससे गाड़ियों की कीमतों में इजाफा हुआ है।'

सस्ती कारों के खरीदार कम

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में आठ महीने बाद पहली बार साल-दर-साल ग्रोथ में गिरावट दर्ज की गई है। फाडा ने कहा कि इस सेगमेंट में बढ़ती इन्वेंट्री इस समय चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, 'पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में एंट्री लेवल की गाड़ियों के खरीदार कम है। पिरामिड के निचले भाग के ग्राहक अभी भी टू-व्हीलर से 4-व्हीलर में अपग्रेड करने में संकोच कर रहे हैं।' फाडा ने कहा, 'अप्रैल महीने में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से कई राज्यों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इससे एंट्री लेवल टू-व्हीलर और पैसेंजर कार सेल्स प्रभावित होती है।' इन कारणों के चलते फाडा ने मई महीने के लिए सतर्क रुख बनाया हुआ है।

थ्री-व्हीलर्स की सेल 57% उछली

ई-रिक्शा और पैसेंजर सेगमेंट के लिए हाई डिमांड के चलते थ्री-व्हीलर्स गाड़ियों की रिटेल सेल्स में 57 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, ट्रैक्टर और कमर्शियल व्हीकल की बिक्री में क्रमशः 1% और 2% की वृद्धि हुई है। सिंघानिया ने कहा, 'कमर्शियल व्हीकल डीलर्स ने बताया कि ओबीडी 2ए नियमों के कारण वाहनों की उपलब्धता एक बड़ी चिंता थी। पिछले साल के लो बेस ने भी सकारात्मक ग्रोथ में योगदान दिया है।'

महंगे खाने के तेल के दामों से मिलेगी राहत

सरकार ने कंपनियों को दाम घटाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जल्द ही आपको महंगे खाने के तेल के दामों से राहत मिल सकती है। खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खाने के तेल बनाने वाली कंपनियों से खाने के तेल के दामों में कटौती करने को कहा है। मंत्रालय का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में दामों में कटौती के बावजूद पैक्ड खाने के दामों के तेल के दामों में उतनी कमी नहीं की गई है।

सरकार ने एडिबल ऑयल कंपनियों से दाम घटाने को कहा

सरकार ने सेलवेंट एक्सट्रैक्ट एसोसिएशन के सदस्यों से खाने के तेल के एमआरपी में कटौती करने को कहा जिससे उपभोक्ताओं को राहत दी जा सके। सरकार का मानना है कि मौजूदा समय में घरेलू बाजार में खाने के तेल के दाम बहुत ज्यादा है। फूड मिनिस्ट्री का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पाम ऑयल, सोयाबीन और सनफ्लॉवर ऑयल के दामों में भारी कमी आई है। तो सरसों, ग्राउंडनट और सोयाबीन के प्रोडक्शन में जबरदस्त उछाल इस सीजन में देखने को मिला है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में घटे दाम!

भारत पाम ऑयल का बड़ा आयातक देश है, अपने खपत का 56 फीसदी एडिबल ऑयल भारत आयात करता है। बीते एक साल में पाम आयल के मुंबई में लैंडिंग प्राइस में 44 फीसदी की कमी आई है। एक साल पहले जहां कीमत 1791 डॉलर टन था वो घटकर अब 1,000 डॉलर टन रह गया है। क्रूड सोया और सनफ्लावर ऑयल के दामों में भी 50 से 55 फीसदी की कमी बीते एक साल में देखने को मिली है।

एक साल में दामों में आई कमी

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के डाटा के मुताबिक 2 मई 2022 को ग्राउंडनट ऑयल 185.46 रुपये किलो में मिल रहा था जो एक साल बाद 189.95 रुपये किलो में मिल रहा है। पैक्ड सरसों का तेल एक साल पहले 184.95 रुपये किलो में मिल रहा था जो अब 151.26 रुपये किलो में मिल रहा है। पाम ऑयल पैक्ड एक साल पहले 157.69 रुपये किलो में मिल रहा था जो अब 110.45 रुपये किलो में मिल रहा है। सन फ्लावर ऑयल 190 रुपये किलो में बिक रहा था जो अब 145.12 रुपये किलो में मिल रहा है।

खुदरा बाजार में कीमतें है ज्यादा

आंकड़ों से स्पष्ट है कि खाने के तेल के दाम घटे हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में जितनी कमी आई है उसके मुताबिक दाम कम नहीं हुए हैं, और इसलिए सरकार ने कंपनियों को खुदरा बाजार में दाम घटाने को कहा है जिससे आम लोगों को राहत दी जा सके।

भारत 0, चीन 12.5, अमेरिका 65 और यूके 75

इस स्कोरिंग से गदगद है भारत, जानिए क्या है मामला

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका में एक और बैंक डूब गया है। पिछले दो महीने में देश में तीन बड़े बैंक डूब गए हैं। बैंकिंग संकट के साथ-साथ देश में नकदी संकट का भी खतरा पैदा हो गया है। वित्त मंत्री ने चेतावनी दी है कि अगर एक जून तक डेट सीलिंग यानी कर्ज की सीमा नहीं बढ़ाई गई तो अमेरिका अपने इतिहास में पहली बार डिफॉल्ट कर जाएगा। इससे देश में मंदी (Recession) की आशंका और बढ़ गई है। अमेरिका ही नहीं यूरोप के कई बड़े देश भी मंदी की आशंका में जी रहे हैं। इनमें फ्रांस, कनाडा, इटली, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा, साउथ अफ्रीका, जापान, साउथ कोरिया, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी मंदी की आशंका बढ़ गई है। सवाल यह है कि आखिर भारत में मंदी को लेकर क्या पूर्वानुमान है?

World of Statistics के मुताबिक भारत में मंदी की कोई आशंका नहीं है। भारत बड़े देशों में एकमात्र देश है जहां मंदी की जीरो परसेंट संभावना है। हाल में आए आंकड़ों से इस बात की तस्दीक होती है कि भारत की इकॉनमी जोर पकड़ रही है। आईएमएफ के मुताबिक इस साल भी भारत की इकॉनमी दुनिया में सबसे तेजी से ग्रोथ करने वाली इकॉनमी होगी। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन के सारे रेकॉर्ड टूट गए हैं। साथ ही मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई भी चार महीने के टॉप पर पहुंच गया है। अधिकांश ऑटो कंपनियों की अप्रैल में बिक्री दमदार रही। ये सारे फैक्टर्स इस बात का संकेत है कि जहां दुनिया मंदी की आशंका में जी रही है वहीं भारत की इकॉनमी तेजी से बढ़ रही है।

सिर्फ 3 महीने में 10 टन सोने की खरीदारी, RBI ने बताया- क्या है प्लान!

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर के सभी सेंट्रल बैंकों ने 2022 में 1136 टन सोने की खरीदारी की है जो 1967 के बाद सबसे ज्यादा है। RBI ने जिस हिसाब से खरीदारी की रफ्तार बढ़ाई है, उसके बाद सोने का कुल भंडार 800 टन के करीब पहुंच गया है।

भारत वैसे तो गोल्ड के दीवानों के देश के तौर पर दुनियाभर में मशहूर है। अब गोल्ड ज्वैलरी के साथ साथ अब निवेश के लिए भी सोने के प्रति भारतीयों का लगाव बढ़ने लगा है। यहां तक की निवेश के लिए

फिजिकल गोल्ड के अलावा डिजिटल गोल्ड में भी भारतीय पैसा लगा रहे हैं। लेकिन गोल्ड खरीदने की ये चाहत अकेले भारत के नागरिकों तक सीमित नहीं रह गई है।

देश का सेंट्रल बैंक यानी रिज़र्व बैंक ऑफ। इंडिया दुनिया के 5 सबसे बड़े गोल्ड खरीदारों में शुमार हो गया है। RBI ने ये खरीदारी जनवरी-मार्च तिमाही में की है। इन 3 महीनों में RBI ने करीब 10 टन गोल्ड खरीदा है। इसकी वजह है कि सेंट्रल बैंक्स ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच अपने भंडारों का डायवर्सिफिकेशन शुरू कर दिया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक दुनियाभर के सभी सेंट्रल बैंकों ने 2022 में 1136 टन सोने की खरीदारी की है जो 1967 के बाद सबसे ज्यादा है।

बढ़ गया RBI का गोल्ड रिज़र्व

गोल्ड खरीदारी की RBI ने जिस हिसाब से रफ्तार बढ़ाई है उसके बाद इसका कुल भंडार 800 टन के करीब पहुंच गया है जो कि एक नया रिकॉर्ड है। इसके पहले अप्रैल-दिसंबर 2022 के बीच भी RBI ने 27 टन गोल्ड की खरीदारी की थी। लेकिन ये किस्सा केवल 2022-23 का नहीं है। इसके पहले भी करीब 5 साल से RBI अपने स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी करता जा रहा है। जिस तरह से वैश्विक आर्थिक हालात चल रहे हैं उसे देखते हुए माना जा रहा है कि गोल्ड की खरीदारी का ये चलन अभी आगे भी जारी रह सकता है।

आइकॉनिक ताज महल पैलेस, मुंबई अब हो गया है 100 प्रतिशत ग्रीन

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने घोषणा की है कि उनका लैंडमार्क होटल 'द ताज महल पैलेस, मुंबई' अब 100 प्रतिशत ग्रीन हो चुका है। पर्यावरण पर असर को न्यूनतम करने के अभियान के अंतर्गत यह होटल नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के साथ ही जल संरक्षण तथा कचरा घटाने के उपायों को भी अमल में ला चुका है।

इस अवसर पर आईएचसीएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष-मानव संसाधन श्री गौरव पोखरियाल ने कहा, ''आईएचसीएल के ईएसजी प्लस फ्रेमवर्क 'पथ्य' के विज़न के मुताबिक काम करते हुए हम ऊर्जा संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध हैं। हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य है की 2030 तक हमारे सभी होटलों में 50 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्त्रोतों से प्राप्त की जाएगी। आपने कार्बन फुटप्रिंट घटाते हुए द ताज महल पैलेस, मुंबई ने एक बार फिर एक बेंचमार्क स्थापित किया है- 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाला होटल होने का। इस उपलब्धि के साथ हम एक ज्यादा सस्टेनेबल व न्यून-कार्बन वाले भविष्य की ओर कुछ और अधिक आगे बढ़ गए हैं। हमने एक ऐसी मिसाल कायम की है जो दूसरों के लिए अनुकरणीय है।''

कार्बन फुटप्रिंट को न्यूनतम करने के लिए सस्टेनेबिलिटी उपायों को सफलतापूर्वक लागू करते हुए यह होटल जल संरक्षण और कचरा घटाने की कोशिशों में भी तेज़ी ला रहा है; इसके लिए होटल दक्षतापूर्वक पानी को ट्रीट व उपयोग कर रहा है, कचरा कम उपजे इसके प्रयास किए जा रहे हैं तथा रिसाइकलिंग एवं पुनःप्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को पूरी तरह हटा देने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में होटल ने एक बॉटलिंग प्लांट लगाया है। अन्य सस्टेनेबल उपायों में शामिल हैं- इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशन, नलों व शावरों के लिए लो-फ्लो एरेटरों का इस्तेमाल, बागवानी व फ्लशिंग के लिए ट्रीट किए हुए पानी का इस्तेमाल तथा एलईडी लाइट ऊर्जा-कुशल मोटर और टाइम कंट्रोल लाइटिंग सिस्टम का उपयोग।

हिमालया वैलनेस का तनाव प्रबंधन के लिए अश्वगंधा का नया अभियान शुरू

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आज कल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए, भारत के प्रमुख वैलनेस ब्राण्ड में से एक, हिमालया वैलनेस कंपनी ने 'अब स्ट्रेस नहीं, डिस्ट्रेस कीजिए' नामक अभियान की शुरुआत की है। जिस्मे जीवन पे अनसुलझे तनव से होने वाले असर और इस तनको संभलने के प्राकृतिक तारिको को दर्शन है ।

आधुनिक जीवन शैली के स्वयं के ऐसे बहुत तनाव के कारण हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता, या वह सामान्य लगते है, लेकिन इनसे जो तनाव पैदा होता है वह किसी के शरीर, विचारों, भावनाओं और व्यवहार तक को प्रभावित करता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, यह अभियान तनाव पहुँचाने वाले कुछ विशेष कारणो पर रोशनी डालता है, साथ ही दैनिक जीवन में तनाव को कम करने और अव्यस्थित तनाव को शांत करने में मदद करने के लिए हिमालया अश्वगंधा की भूमिका पर ज़ोर देता है।

तीन प्रभावशाली डिजिटल विज्ञापनों की मदद से इस अभियान में तीन अलग-अलग हालात, तथा वातावरण के लोग कैसे तनाव को दूर करने के लिए संघर्ष करते हैं, यह बताया गया है। इस विज्ञापन में तनाव के असर को दिखाया गया है, जहाँ नायक लगातार तनाव के कारण नींद, की कामी, क्रोध और थकान महसूस करता है। यही संदेश और भी मजबूत हो जाता है जब विज्ञान मैं डॉक्टर तनव को संभलने में हिमालय अश्वगंधा के फायदे बताते हैं। अश्वगंधा एक एडॉप्टोजेनिक जड़ीबूटी है, जिसका उपयोग सदियों से शरीर को तनाव से मुकाबला कर तनावमुक्त रहने में मदद करता है। यह ऊर्जा के स्तर को बढ़ा कर चिंता और तनाव को दूर करने में भी मदद करता है।

लोगों के जीवन पर तनाव के असर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और तनाव के प्रभाव को सही तरीके से ठीक करने के लिए इस अभियान को रणनीतिक रूप से रेडियो, इंटरनेट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से विस्तृत रूप से चलाया गया है।

मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन ने 125वीं जयंती स्थापना दिवस मनाया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (एमएएचई) ने रविवार, 30 अप्रैल 2023 को अपने संस्थापक डॉ. टीएमए पई की 125वीं जयंती मनाई। मणिपाल समूह के टीएमए पई फाउंडेशन, एकेडमी ऑफ जनरल एजुकेशन (एजीई), मणिपाल मीडिया नेटवर्क लिमिटेड और मणिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप (एमईएमजी) जैसे अन्य संस्थानों ने भी संस्थापक दिवस मनाया। परम पावन श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी, श्री पेजावर अधोक्षजा मठ, उडुपी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में मणिपाल समूह की विशिष्ट हस्तियों जैसे डॉ रंजन आर पाई, रजिस्ट्रार, एजीई, प्रेसिडेंट - एमएएचई और चेयरमैन, एमईएमजी, बेंगलुरु, श्रीमती वसंती आर पाई, ट्रस्टी, एमएएचई ट्रस्ट, डॉ एचएस बल्लाल, प्रेसिडेंट, एजीई, मणिपाल और प्रो चांसलर, एमएएचई, मणिपाल, लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) एमडी वेंकटेश, वाइस चांसलर, एमएएचई, श्री टी सतीश यू पाई, एक्जीक्यूटिव चेयरमैन, मणिपाल मीडिया नेटवर्क लिमिटेड, मणिपाल और वाइस

प्रेसिडेंट, एजीई, मणिपाल और श्री टी अशोक पाई, प्रेसिडेंट, डॉ टीएमए पाई फाउंडेशन, मणिपाल के साथ मणिपाल समूह के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। मणिपाल समूह के संस्थापक डॉ. टी.एम.ए. पई की विरासत को सम्मानित करने और याद रखने के लिए हर साल 30 अप्रैल को स्थापना दिवस मनाया जाता है। उन्होंने मणिपाल की बंजर पहाड़ी को अंतरराष्ट्रीय ख्याति के शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया। इस साल के आयोजन में कई कार्यक्रम शामिल थे इसकी शुरुआत सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डॉ टीएमए पई को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। डॉ एचएस बल्लाल, प्रेसिडेंट, एजीई, मणिपाल और प्रो चांसलर, एमएएचई ने सभा का स्वागत किया। मुख्य अतिथि, परम पावन श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी, श्री पेजावरा अधोक्षजा मठ, उडुपी ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया और डॉ टीएमए पई की बेजोड़ दूरदृष्टि तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली को बदल देने के उनके प्रयासों और तरीकों के बारे में बात की। संस्थापक दिवस समारोह के बारे में बताते हुए, डॉ रंजन आर पई, रजिस्ट्रार, एजीई, अध्यक्ष - एमएएचई और अध्यक्ष, एमईएमजी, बेंगलुरु ने कहा, ' हम आज अपने संस्थापक डॉ. टीएमए पई का सम्मान करते हैं। वह एक सपने और दृष्टि के साथ एक स्व-निर्मित व्यक्ति थे। इस सपने का लक्ष्य समाज के सामने तीन मूलभूत मुद्दों- गरीबी, बीमारी और अशिक्षा का सामना करना और उनका समाधान करना था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।